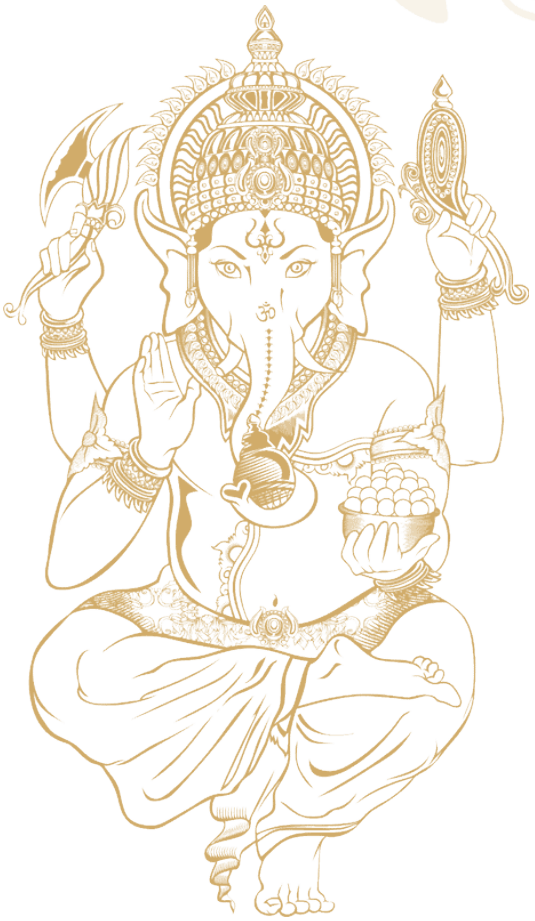

Sahil

08 Feb 2001

01:40 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121425509

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/02/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:40:00 घंटे**
इष्ट	16:24:23 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:16:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:30:21 घंटे
सूर्योदय	07:06:14 घंटे
सूर्यास्त	18:09:47 घंटे
दिनमान	11:03:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:45:42 मकर
लग्न के अंश	27:22:07 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:22:07	345:36:23	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			मक	25:45:42	01:00:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	26:20:22	15:16:01	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	02:41:03	00:32:12	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	कुंभ	05:11:13	00:44:45	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
गुरु			वृष	07:39:07	00:02:49	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:42:47	00:47:12	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			वृष	00:23:05	00:01:37	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:16:57	00:04:01	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:16:57	00:04:01	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	26:52:52	00:03:29	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:53:19	00:02:14	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:00:38	00:01:15	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	11:55:14	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:06

लग्न-चलित

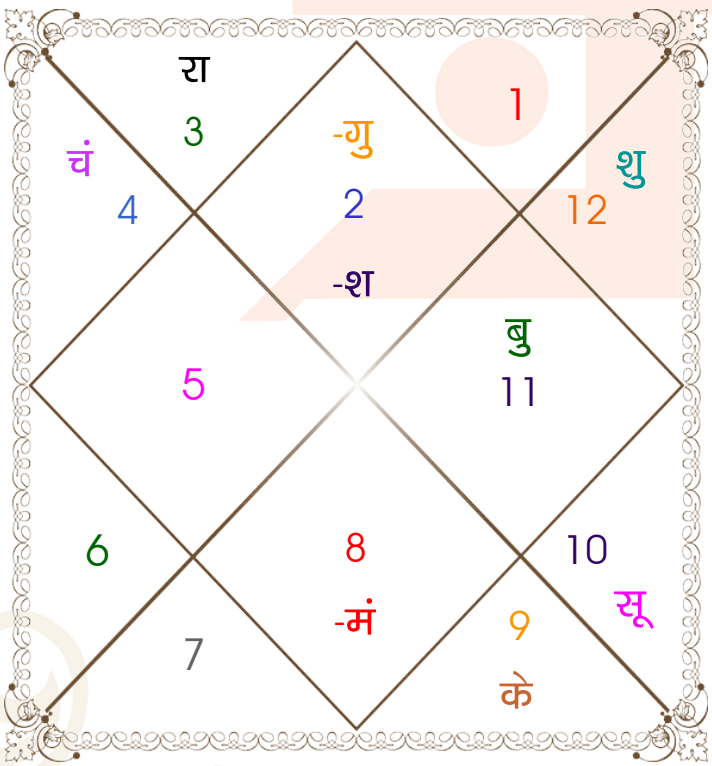

चन्द्र कुंडली

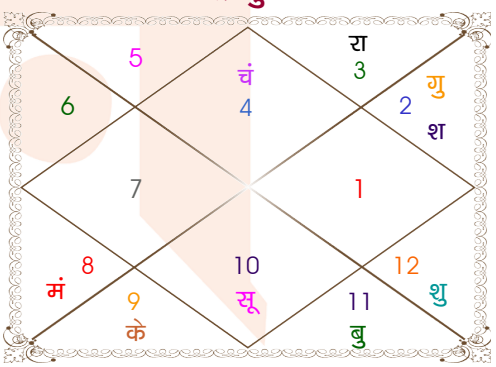

नवमांश कुंडली

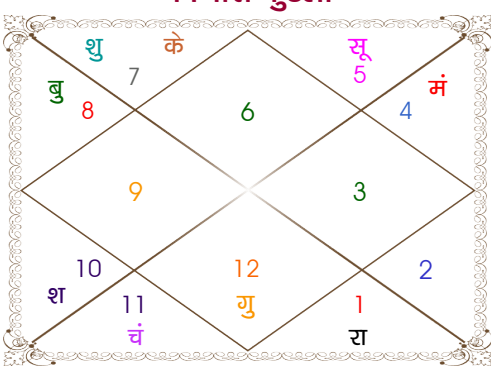

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 8 मास 0 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/02/2001		10/10/2005		10/10/2012		10/10/2032		10/10/2038	
10/10/2005		10/10/2012		10/10/2032		10/10/2038		10/10/2048	
	00/00/0000	केतु	08/03/2006	शुक्र	09/02/2016	सूर्य	27/01/2033	चंद्र	10/08/2039
	00/00/0000	शुक्र	08/05/2007	सूर्य	08/02/2017	चंद्र	29/07/2033	मंगल	10/03/2040
	00/00/0000	सूर्य	13/09/2007	चंद्र	10/10/2018	मंगल	04/12/2033	राहु	09/09/2041
	00/00/0000	चंद्र	13/04/2008	मंगल	10/12/2019	राहु	28/10/2034	गुरु	09/01/2043
	00/00/0000	मंगल	09/09/2008	राहु	10/12/2022	गुरु	16/08/2035	शनि	10/08/2044
	00/00/0000	राहु	28/09/2009	गुरु	10/08/2025	शनि	28/07/2036	बुध	09/01/2046
	08/02/2001	गुरु	04/09/2010	शनि	10/10/2028	बुध	04/06/2037	केतु	10/08/2046
गुरु	31/01/2003	शनि	13/10/2011	बुध	10/08/2031	केतु	10/10/2037	शुक्र	10/04/2048
शनि	10/10/2005	बुध	10/10/2012	केतु	10/10/2032	शुक्र	10/10/2038	सूर्य	10/10/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/10/2048		10/10/2055		10/10/2073		10/10/2089		11/10/2108	
10/10/2055		10/10/2073		10/10/2089		11/10/2108		00/00/0000	
मंगल	08/03/2049	राहु	22/06/2058	गुरु	28/11/2075	शनि	13/10/2092	बुध	09/03/2111
राहु	26/03/2050	गुरु	15/11/2060	शनि	10/06/2078	बुध	23/06/2095	केतु	05/03/2112
गुरु	02/03/2051	शनि	22/09/2063	बुध	15/09/2080	केतु	01/08/2096	शुक्र	04/01/2115
शनि	10/04/2052	बुध	10/04/2066	केतु	22/08/2081	शुक्र	01/10/2099	सूर्य	11/11/2115
बुध	07/04/2053	केतु	29/04/2067	शुक्र	22/04/2084	सूर्य	13/09/2100	चंद्र	11/04/2117
केतु	03/09/2053	शुक्र	29/04/2070	सूर्य	08/02/2085	चंद्र	14/04/2102	मंगल	08/04/2118
शुक्र	03/11/2054	सूर्य	23/03/2071	चंद्र	10/06/2086	मंगल	24/05/2103	राहु	26/10/2120
सूर्य	11/03/2055	चंद्र	21/09/2072	मंगल	17/05/2087	राहु	30/03/2106	गुरु	09/02/2121
चंद्र	10/10/2055	मंगल	10/10/2073	राहु	10/10/2089	गुरु	11/10/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 8 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।